IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 1, August 2023

झॉसी जिले के बुनकरों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति, बुनकरों का औद्योगिक महत्व

शील कुमार[1] एवं डॉ. आदित्य कृष्ण सिंह चौहान[2]
शोधार्थी, एम.ए. (अर्थशास्त्र), एम. फिल.[1]
शोध निर्देशन एवं एसोसियेट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग[2]
जे. एस. विश्वविद्यालय शिकोहाबाद, फिरोजाबाद

सारांश– वर्तमान समय में लघु कपडा उद्योग अपने दौर के उस समय से गुजर रहा है जहां इसे सरकारी एवं उद्योग जगत के महारथियों की सहायता एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता है। झांसी जिले के लघु उद्योगों में से एक कपडा उद्योग है जिसमें अधिकांश बुनकर जाति के लोग अपनी जीविका के लिए संलग्न है। झॉसी जिले के पॉच तहसीलों – मऊ–रानीपुर,कटेरा एवं टहरोली में कार्यरत बुनकरो की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन किया गया है जिसमे मऊरानीपुर में 11250,रानीपुर 11420,कटेरा 5240 एवं टहरौली में 3980 पंजीकृत बुनकर कारीगर है जो लघु कपडा उद्योग से सीधे जुडे हुए जिनकी दैनिक आमदनी औसत 200 रु.है।

प्रमुख शब्द– बुनकर,आर्थिक,सामाजिक।

संदर्भ ग्रन्थ सूची–

1. अमर उजाला
2. कुरुक्षेत्र पत्रिका
3. योजना पत्रिका
4. खादी एंव ग्रामोउद्योग विभाग झाँसी